न्यायालय अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, सिरोही
(पीठासीन अधिकारी: आशाराम डूडी, आर.ए.एस.)

(1) **प्रकरण संख्या:** 01/2018
(2) **दायरा दिनांक:** 05.2.2018

सायल

स्टेट जरिये जिला पुलिस अधीक्षक, सिरोही

बनाम

गैरसायल

गोविन्द सिंह पुत्र श्री पहाड़सिंह, जाति- राजपूत, निवासी- टांकरिया, सिरोही, पुलिस थाना- सिरोही

''इस्तगासा अर्न्तगत धारा 3 राजस्थान गुण्ड़ा नियंत्रण अधिनियम, 1975''

उपस्थिति:

1. सहायक लोक अभियोजक
2. गैरसायल एवं गैरसायल के अधिवक्ता श्री भगवत सिंह देवड़ा

-: निर्णय :- **दिनांक 28 फरवरी, 2018**

(1) संक्षिप्त में प्रकरण के तथ्य इस प्रकार है। जिला पुलिस अधीक्षक, सिरोही द्वारा गैरसायल गोविन्द सिंह पुत्र श्री पहाडसिंह, जाति- राजपूत, निवासी- टांकरिया, सिरोही के विरुद्ध यह इस्तगासा राजस्थान गुण्ड़ा नियंत्रण अधिनियम 1975 की धारा- 3 के तहत प्रस्तुत कर अनुरोध किया कि गैरसायल आले दर्जे का जुआरी है एवं जुआं के अपराध करने का आदि है। जो आम लोगों को जुआं खेलने के लिये प्रेरित कर जुआं खेलाता रहता है। गैरसायल के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही करने के बावजूद भी उक्त अपराध पर रोक नही लग पाई है। गैरसासयल का जुआ खेलने व खिलाने से आम लोगों व बच्चों पर दुष्प्रभाव की शिकायत समय समय पर मिलती रहती है, लेकिन गैरसायल के विरुद्ध साक्ष्य देने हेतु लोग तैयार नही होते है। गैरसायल के विरुद्ध जुआं खेलते पकडा जाने पर पुलिस थाना सिरोही में राजस्थान पब्लिक गैम्बलिंग अध्यादेश 1949 की धारा 13 के तहत 5 प्रकरण दर्ज हुये है तथा इन पांचों प्रकरणों में गैरसालय के विरुद्ध संबंधित न्यायालय में आरोप पत्र प्रस्तुत किये गये जिनमें संबंधित न्यायालय द्वारा गैरसायलय को दोष सिद्ध ठहराते हुए जुर्माने/सजा से दण्डित किया है। गैरसायल जुआं खेलने में लिप्त है जो बावजूद सजा के भी निरन्तर आपराधिक प्रवृति में लिप्त है जो आदतन जुआं खेलने व आम लोगों को जुआं खेलने के लिये प्रेरित करने से आम जनता में भय व्याप्त है व लोग गैरसायल के भय से पुलिस को सूचना देने से कतराते है। गैरसायल राजस्थान गुण्ड़ा नियंत्रण अधिनियम 1975 की धारा 3(बी)3(सी) में वर्णित अपराध करने का आदि है और मौजूदा समय में ऐसे अपराध करने में लिप्त है, इसलिये गैरसायल के विरुद्ध कानूनी सलूक फरमाकर जिले से निष्कासित किया जावे।

(2) प्रस्तुत इस्तगासे पर गैरसायल के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया जाकर गैरसायल को नोटिस जारी किया गया एवं नोटिस के साथ गैरसायल पर लगाये गये आरोपों की प्रति

.....पेज दो पर

अति. जिला मजिस्ट्रेट
सिरोही-307001.

भी तामिल करवाई गई। जिस पर प्रकरण में सुनवाई हेतु नियत दिनांक 28.2.2018 को गैरसायल इस न्यायालय में उपस्थित हुआ एवं गैरसायल की ओर से अधिवक्ता श्री भगवत सिंह देवड़ा उपस्थित। प्रकरण में गैरसायल ने जुर्म/आरोप स्वीकारोक्ति का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया।

(3) प्रकरण में गैरसायल द्वारा जुर्म/आरोप स्वीकार कर लिये जाने से सहायक लोक अभियोजक एवं गैरसायल के अधिवक्ता की बहस सुनी गई। सहायक लोक अभियोजक ने बहस के दौरान इस्तगासें में अंकित तथ्यों की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए यह व्यक्त किया कि गैरसायल के विरुद्ध राजस्थान पब्लिक गैम्बलिंग अध्यादेश 1949 की धारा 13 के तहत पुलिस थाना सिरोही में 5 प्रकरण दर्ज हुये जिनमें गैरसायल के विरुद्ध संबंधित न्यायालय में आरोप पत्र प्रस्तुत किये एवं इन सभी प्रकरणों में संबंधित न्यायालय द्वारा गैरसायल को दोष सिद्ध ठहराते हुए सजा/जुर्माने से दण्डित किया गया है। गैरसायल आले दर्जे का जुआरी है तथा जुआं संबंधी अपराधों में लिप्त है। इसकी ऐसी आपराधिक गतिविधियों के कारण क्षेत्र में कई गरीब परिवार अपनी जमा पूंजी जुऐं में गवा चुके है। गैरसायल के ऐसे आपराधिक कृत्यों से आम जन में भय व्याप्त है तथा लोग इसके विरुद्ध साक्ष्य देने से कतराते है, इसलिये गैरसायल की इन आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने हेतु गैरसायल को छः माह की अवधि के लिये जिले से निष्कासित किया जावे। जबकि गैरसायल के अधिवक्ता ने बहस के दौरान यह व्यक्त किया कि गैरसायल काफी समय से एड्स रोग से पीडीत है तथा गैरसायल का ईलाज काफी समय से राजकीय चिकित्सालय, सिरोही, जोधपुर व पाली में चल रहा है तथा गैरसायल को बार-बार चैक अप हेतु राजकीय चिकित्सालयल, सिरोही में जाना पड़ता है। गैरसायल की वृद्ध माता है, जिसकी भी देखभाल करने वाला कोई नही है। गैरसायल के विरुद्ध आरोप गंभीर प्रकृति के नही है। गैरसायल के विरुद्ध दर्ज जुआं संबंधी अपराधों में गैरसायल ने लोक अदालत की भावना से जुर्म स्वीकार किया था। गैरसायल के विरुद्ध आम जन को धमकाने, मारपीट, शांतिभंग या अन्य किसी तरह के कोई मुकदमा दर्ज नही हुआ है। गैरसायल विगत 1 वर्ष 6 माह से किसी भी तरह की आपराधिक गतिविधियों में लिप्त नही है। गैरसायल वर्तमान में मजदूरी कर शांतिपूर्वक जीवन यापन कर रहा है। गैरसायल भविष्य में कोई अपराध नही करेगा, इसलिये गैरसालय के विरुद्ध यह कार्यवाही ड्रॉप की जावे।

(4) प्रकरण में सुनी गई बहस पर मनन किया गया एवं न्यायालय पत्रावली तथा पत्रावली उपलब्ध साक्ष्यों का गंभीरतापूर्वक अध्ययन व अवलोकन किया गया। पुलिस अधीक्षक, सिरोही की रिपोर्ट अनुसार गैरसायल गोविन्द सिंह पुत्र श्री पहाड़ सिंह, जाति- राजपूत, निवासी- टांकरिया, सिरोही के विरुद्ध पुलिस थाना, सिरोही में राजस्थान पब्लिक गैम्बलिंग अध्यादेश 1949 की धारा 13 के तहत मुकदमा संख्या 103/29.3.2015, 312/30.11.2015, 34/27.2.2016, 91/12.5.2016 व 153/05.8.2017 को दर्ज हुये जिनमें से उक्त मुदकमा संख्या 91/12.5.2016 व 153/05.8.2017 की प्रथम सूचना रिपोर्ट की प्रतियां न्यायलय पत्रावली पर उपलब्ध है। धारा 13 आर.पी.जी.ओ. के तहत गैरसालय के विरुद्ध दर्ज उक्त उक्त मुकदमा संख्या 91/12.5.2016 व 153/05.8.2017

.....पेज तीन पर

अति. जिला मजिस्ट्रेट
सिरोही-307001.

में बाद तफतीश गैरसायल के विरुद्ध संबंधित न्यायालय में आरोप पत्र प्रस्तुत किये गये है, इन आरोप पत्रों की प्रतियां भी न्यायालय पत्रावली पर उपलब्ध है। पत्रावली पर उपलब्ध दस्तावेजों के अवलोकन से यह भी पाया गया कि उक्त मुकदमा संख्या 91/12.5.2016 व 153/05.8.2017 में संबंधित न्यायालय द्वारा पारित निर्णय दिनांक क्रमश: 08.6.2016 व 08.8.2017 के अनुसार गैरसायल को दोष सिद्ध ठहराया गया है। इससे, यह स्पष्ट है कि गैरसायल राजस्थान गुण्ड़ा नियंत्रण अधिनियम 1975 की धारा 2(ख)(V) में वर्णित अपराध करने का दोषी है व गुण्ड़ा की श्रेणी में आता है, लेकिन गैरसायल के विरुद्ध दिनांक 05.8.2017 के बाद किसी प्रकार का कोई मुकदमा दर्ज होने बाबत कोई साक्ष्य पत्रावली पर उपलब्ध है। गैरसायल द्वारा लोगों को धमकानें व आतंकित करने के संबंध में भी साक्ष्य न्यायालय पत्रावली पर उपलब्ध नही है। गैरसायल के विरुद्ध शांतिभंग करने के सम्बन्ध में कोई कार्यवाही हुई हो, ऐसी भी साक्ष्य न्यायालय पत्रावली पर उपलब्ध नही है। गैरसायल की ओर से प्रस्तुत दस्तावेजों के अवलोकन से यह भी स्पष्ट है कि गैरसायल एड्स रोग से ग्रसित है।

अत: उपरोक्त सभी तथ्यों एवं परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस अधीक्षक, सिरोही द्वारा प्रस्तुत इस्तगासे को आंशिक रुप से स्वीकार करते हुऐ गैरसायल गोविन्द सिंह पुत्र श्री पहाड़ सिंह, जाति- राजपूत, निवासी- टांकरिया, सिरोही को छ: माह की अवधि के लिये नेकचलनी व शांति बनाये रखने हेतु पाबन्द कर आदेशित किया जाता है कि गैरसायल एक सामान्य व अच्छे नागरिक की तरह जीवन यापन करेगा तथा गैरसायल भविष्य में कोई आपराधिक कृत्य नही करेगा। गैरसायल उक्त निर्देश/निर्बन्धन एवं शर्तो का सम्यक पालन करने की दृष्टि से उक्त अधिनियम की धारा 7(1) के तहत रुपये पच्चीस हजार रुपये का स्वयं का बन्ध पत्र प्रस्तुत करेगा। निर्णय सरे इजलास सुनाया गया।

(आशाराम डूडी) 28.02.18
अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट,
सिरोही